

स्थान, गोशाला, पशुशाला 2. दुधारू पशुओं से दूध दुहकर मक्खन, घी तैयार करने की जगह, डेरी।

**दुग्धस्रवण** पुं. (तत्.) स्तन ग्रंथियों द्वारा दूध का उत्पादन और स्रवण, स्त्री आदि के स्तनों से दूध का निकलना या चूना।

**दुग्धस्रवण अवधि** स्त्री. (तत्.) स्तनों से दूध निकालने का समय।

**दुग्धाहारी** पुं. (तत्.) केवल दूध का आहार करने वाला व्यक्ति वि. जो आहार के रूप में केवल दूध पीता है।

**दुग्धी** पुं. (तत्.) 1. क्षीर वृक्ष नाम का पेड़ जिससे दूध निकले या बरगद आदि स्त्री. दूधिया नाम की घास या दुग्धी वि. दूध वाला, जिसके दूध हो।

**दुग्धोद्योग** पुं. (तत्.) दूध और उससे बनने वाले उत्पादों का उत्पादन भंडारण तथा बिक्री आदि का व्यवसाय, दुग्ध-व्यवसाय।

**दुग्धझिया** वि. (तद्.) 1. दो घड़ी का 2. ज्यो. दो घड़ी का मुहूर्त जो ज्योतिष के अनुसार निकाला जाता है और अनिवार्य यात्रा के लिए शुभ माना जाता है, दो घड़ी के समय वाला।

**दुजन्मा** वि. (तद्.) दे. द्विजन्मा।

**दुटूक** वि. (तद्.) दे. दोटूक।

**दुत** क्रि.वि. (तद्.) 1. तिरस्कार-पूर्वक दूर हटाने के लिए बोला जाने वाला शब्द 2. किसी के द्वारा किसी की मूर्खता पर या अनुचित बात कहने पर प्रयोग में लाया जाने वाला तिरस्कार-सूचक शब्द 3. घृणा और अपमान-सूचक शब्द 4. कभी-कभी बच्चों के लिए प्रयुक्त होने वाला प्यार और स्नेह का शब्द स्त्री. ज्योति, द्युति, प्रकाश।

**दुतकारना** स.क्रि. (तद्.) किसी को अपने पास आने से दूर हटाने की क्रिया, दूर हटाना, किसी को दुत-दुत कहकर अपमानित या तिरस्कृत करना, धिक्कारना।

**दुतरफा** वि. (फा.दुतरफ) दोनों ओर का, दो तरफ का, दुतरफा जैसे- दुतरफा कार्यवाही, जो दो पक्षों

में से किसी एक में न होकर दोनों ओर मिला हुआ हो।

**दुतल्ला** वि. (तद्.) दो तल्ले का, दोमंजिला, दुमंजिला पुं. दुमंजिला मकान।

**दुति** स्त्री. (तद्.) दे. द्युत, चमक, छवि, प्रकाश, सुंदरता, कांति।

**दुद्धी** स्त्री. (तद्.) 1. जमीन पर फैलने वाली एक वनस्पति जिसमें दूध जैसा स्राव निकलता है और इसे पेट के रोगों की औषधि माना जाता है, थूहर की जाति का एक पौधा 2. सफेद मिट्टी, खड़िया मिट्टी 3. सफेद किस्म का धान जिसे आयुर्वेद में कुक्कुटांडक कहते हैं।

**दुधमुँहा** वि. (तद्.) दे. दूधमुँहा।

**दुधार** वि. (तद्.) 1. दूध देने वाली 2. दूध-युक्त 3. गाय आदि पशु जो अधिक दूध देती हो।

**दुधारा** वि. (तद्.) दोनों ओर धार वाला पुं. दो धार वाली तलवार।

**दुधारी** वि. (तद्.) 1. अधिक दूध देने वाली गाय और भैंस 2. दो धार वाली तलवार आदि।

**दुधारू** वि. (तद्.) दे. दुधारी।

**दुधैल** वि. (तद्.) जो बहुत दूध देती हो।

**दुधैली** स्त्री. (तद्.) थूहर की जाति का दुद्धी नाम का एक पौधा।

**दुनाली** वि./स्त्री 1. दो नाल वाली बंदूक, जिसके दोनों नालों से दो गोलियाँ एक साथ छूटती हैं 2. जिसमें दो नल या नलियाँ हों।

**दुनिया** स्त्री. (अर. दुन्या.) 1. जगत्, संसार, विश्व 2. संसार के लोग, जनता 3. सांसारिक झंझट या प्रपंच मुहा. दुनिया उजड़ना- सर्वस्व समाप्त हो जाना; दुनिया की हवा लगना- संसार की बातों का अनुभव होना; दुनिया भर का- बहुत अधिक, पर्याप्त; दुनिया से उठ जाना- मृत्यु हो जाना; दुनिया देखना- अनुभव प्राप्त करना; दुनिया से नाम उठ जाना- संसार द्वारा विस्मृत हो जाना।